Zec

Chapter 7

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1	וַיְהִי	בִּשְׁנַת	אַרְבַּע	לְדָרְיָוֶשׁ	הַמֶּלֶךְ	הָיָה	דְבַר־	יְהוָה	אֶל־	זְכַרְיָה	בְּאַרְבָּעָה	לַחֹדֶשׁ	הַתְּשִׁעִי	בְּכִסְלֵו׃
	और-हुआ	में-वर्ष	चार	के-दारा	राजा-के	हुआ	वचन-	यहोवा-का	की-ओर-	ज़करयाह	में-चार	के-महीने	नौवें	में-किसलेव
	H1961	H8141	H0702	H1867	H4428	H1961	H1697	H3068	H0413		H0702	H2320	H8671	H3691

फारस में दारा के राज्याकाल के चौथे वर्ष, जकर्याह को यहोवा का एक संदेश मिला । यह नौवे महीने का चौथा दिन था। (अर्थात् किस्लव।)

2	וַיִּשְׁלַח	בֵּית־אֵל	שַׂר־אֶצֶר	וְרֶגֶם מֶלֶךְ	וַאֲנָשָׁיו	לְחַלּוֹת	אֶת־	פְּנֵי	יְהוָה׃
	और-भेजा	बैतएल-ने	शारेसेर-को	और-रेगेम-मेलेक-को	और-लोगों-उसके	के-लिए-मनाने-को	को-	मुख	यहोवा-के
	H7971	H1008	H8272	H7278	H0376		H0853	H6440	H3068

बेतेल के लोगों ने शेरसेर, रेगेम्मेलेक और अपने साथियों को यहोवा से एक प्रश्न पूछने को भेजा।

3	לֵאמֹר	אֶל־	הַכֹּהֲנִים	אֲשֶׁר	לְבֵית־	יְהוָה	צְבָאוֹת	וְאֶל־	הַנְּבִיאִים	לֵאמֹר	הַאֶבְכֶּה	בַּחֹדֶשׁ	הַחֲמִשִׁי	הִנָּזֵר	כַּאֲשֶׁר	עָשִׂיתִי	זֶה	כַּמֶּה	שָׁנִים׃	פ
	कहते-हुए	को-	याजकों	जो	के-घर-	यहोवा	सेनाओं-के	और-को-	नबियों	कहते-हुए	क्या-मैं-रोउँ	में-महीने	पाँचवें	अलग-होते-हुए	जैसा	मैंने-किया	यह	कितने	वर्षों	।
	H0559	H0413	H3548			H3068		H0413	H5030	H0559	H1058	H2320	H2549				H2088	H4100	H8141	

वे सर्वशक्तिमान यहोवा के मंदिर में नबियों और याजकों के पास गए। उन लोगों ने ने उनसे यह प्रश्न पूछा: “हम ने कई वर्ष तक मंदिर के ध्वस्त होने का शोक मनाया है। हर वर्ष के पाँचवें महीने में, रोने और उपवास रखने का हम लोगों का विशेष समय रहा हैं। क्या हमें इसे करते रहना चाहिये?”

4	וַיְהִי	דְּבַר־	יְהוָה	צְבָאוֹת	אֵלַי	לֵאמֹר׃
	और-हुआ	वचन-	यहोवा	सेनाओं-के	मुझ-से	कहते-हुए
	H1961	H1697	H3068		H0413	H0559

मैंने सर्वशक्तिमान यहोवा का यह सन्देश पाया है:

5	אֱמֹר	אֶל־	כָּל־	עַם	הָאָרֶץ	וְאֶל־	הַכֹּהֲנִים	לֵאמֹר	כִּי־	צַמְתֶּם	וְסָפוֹד	בַּחֲמִישִׁי	וּבַשְּׁבִיעִי	וְזֶה	שִׁבְעִים	שָׁנָה	הֲצוֹם	צַמְתֻּנִי	אָנִי׃
	कह	को-	सब-	लोगों	पृथ्वी-के	और-को-	याजकों	कहते-हुए	जब-	तुमने-उपवास-किया	और-विलाप-किया	में-पाँचवें	और-में-सातवें	और-यह	सत्तर	वर्ष	क्या-उपवास	तुमने-उपवास-किया	मेरे-लिए
	H0559	H0413	H3605		H0776	H0413	H3548	H0559		H6684	H5594	H2549	H7637	H2088	H7657	H8141	H6684	H6684	H0589

“याजकों और इस देश के अन्य लोगों से यह कहो: जो उपवास और शोक पिछले सत्तर वर्ष से वर्ष के पाँचवें और सातवें महीने में तुम करते आ रहे हो,क्या वह उपवास, सच ही, मेरे लिये थानहीं!

6	וְכִי	תֹאכְלוּ	וְכִי	תִשְׁתּוּ	הֲלוֹא	אַתֶּם	הָאֹכְלִים	וְאַתֶּם	הַשֹּׁתִים׃
	और-जब	तुम-खाते-हो	और-जब	तुम-पीते-हो	क्या-नहीं	तुम	जो-खाते-हो	और-तुम	जो-पीते-हो
		H0398		H8354	H3808		H0398		H8354

और जब तुमने खाया और दाखमधु पिया तब क्या वह मेरे लिये था। नहीं यह तुम्हारी अपनी भलाई के लिये था।

7	הֲלֹוא	אֶת־	הַדְּבָרִים	אֲשֶׁר	קָרָא	יְהוָה	בְּיַד	הַנְּבִיאִים	הָרִאשֹׁנִים	בִּהְיֹות	יְרוּשָׁלִַם
	क्या-नहीं	को-	वचन	जो	पुकारा	यहोवा-ने	के-द्वारा	नबियों	पहले-के	में-होने	यरूशलेम
	H3808	H0853	H1697		H7121	H3068	H3027	H5030	H7223	H1961	H3389

יֹשֶׁבֶת	וּשְׁלֵוָה	וְעָרֶיהָ	סְבִיבֹתֶיהָ	וְהַנֶּגֶב	וְהַשְּׁפֵלָה	יֹשֵׁב׃	פ
बसी-हुई	और-शांति-में	और-नगर-उसके	चारों-ओर-उसके	और-नेगेव	और-शफेला	बसी-थी	।
H3427	H7961		H5439	H5045	H8219	H3427	

> परमेश्वर ने प्रथम नबियों का उपयोग बहुत पहले यही बात तब कही थी, जब यरूशलेम मनुष्यों से भरा—पूरा सम्पत्तिशाली था। परमेश्वर ने यह बातें तब कहीं थीं, जब यरूशलेम के चारों ओर के नगरों में तथा नेगव एवं पश्चिमी पहाड़ियों की तराईयों में लोग शान्तिपूर्वक रहते थे।”

8	וַיְהִי	דְּבַר־	יְהוָה	אֶל־	זְכַרְיָה	לֵאמֹר׃
	और-हुआ	वचन-	यहोवा-का	की-ओर-	ज़करयाह	कहते-हुए
	H1961	H1697	H3068	H0413		H0559

> जकर्याह को यहोवा का यह सन्दोशहै:

9	כֹּה	אָמַר	יְהוָה	צְבָאֹות	לֵאמֹר	מִשְׁפַּט	אֱמֶת	שְׁפֹטוּ	וְחֶסֶד	וְרַחֲמִים	עֲשׂוּ	אִישׁ
	ऐसे	कहा	यहोवा	सेनाओं-के	कहते-हुए	न्याय	सच्चा	न्याय-करो	और-दया	और-करुणा	करो	पुरुष
	H3541	H0559	H3068		H0559	H4941	H0571	H8199				H0376

אֶת־	אָחִיו׃
को-	भाई-उसके
H0854	H0251

> “सर्वशक्तिमान यहोवा ने ये बातें कहीं, ‘तुम्हें जो सत्य और उचित हो, करना चाहिये। तम्हें हर एक को एक दुसरे के प्रति दयालु और करूणापूर्ण होना चाहिये।

10	וְאַלְמָנָה	וְיָתֹום	גֵּר	וְעָנִי	אַל־	תַּעֲשֹׁקוּ	וְרָעַת	אִישׁ	אָחִיו	אַל־
	और-विधवा	और-अनाथ	परदेशी	और-गरीब	ना-	तुम-सताओ	और-बुराई	पुरुष	भाई-उसके	ना-
	H0490	H3490	H1616	H6041	H0408	H6231		H0376	H0251	H0408

תַּחְשְׁבוּ	בִּלְבַבְכֶם׃
तुम-योजना-करो	में-दिलों-तुम्हारे
H2803	H3824

> विधवाओ, अनाथों, अजनबियों या दीन लोगों को चोट न पहुँचाओ। एक दुसरे का बुरा करने का विचार भी मन में न आने दो!’”

11	וַיְמָאֲנוּ	לְהַקְשִׁיב	וַיִּתְּנוּ	כָתֵף	סֹרָרֶת	וְאָזְנֵיהֶם	הִכְבִּידוּ
	और-उन्होंने-इंकार-किया	के-लिए-ध्यान-देना	और-उन्होंने-दिया	कंधा	हठीला	और-कान-उनके	उन्होंने-भारी-किए
	H3985	H7181	H5414	H3802	H5637	H0241	H3513

מִשְּׁמֹועַ׃
से-सुनना
H8085

> किन्तु उनलोगों ने अन सुनी की। उन्होंने उसे करने से इन्कार किया जिसे वे चाहते थे। उन्होंने अपने कान बन्द कर लिये, जिससे वे, परमेश्वर जो कहे, उसे न सुन सकें।

12	וְלִבָּם	שָׂמוּ	שָׁמִיר	מִשְּׁמֹועַ	אֶת־	הַתֹּורָה	וְאֶת־	הַדְּבָרִים	אֲשֶׁר	שָׁלַח
	और-दिल-उनका	उन्होंने-बनाया	चकमक-सा	से-सुनना	को-	व्यवस्था	और-को-	वचन	जो	भेजा
			H8068	H8085	H0853	H8451	H0853	H1697		H7971

יְהוָה	צְבָאֹות	בְּרוּחֹו	בְּיַד	הַנְּבִיאִים	הָרִאשֹׁנִים	וַיְהִי	קֶצֶף	גָּדֹול	מֵאֵת	יְהוָה
यहोवा-ने	सेनाओं-के	में-आत्मा-उसकी	के-द्वारा	नबियों	पहले-के	और-हुआ	क्रोध	बड़ा	से-	यहोवा
H3068		H7307	H3027	H5030	H7223	H1961			H0854	H3068

צְבָאֹות׃
सेनाओं-के

> वे बडे हठी थे। उन्होंने परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करना अस्वीकार कर दिया। अपनी आत्मशक्ति से सर्वशक्तिमान यहावा ने नबियों द्धारा अपने लोगों को सन्देश भेजे। किन्तु लोगों ने उसे नहीं सुना, अत: सर्वशक्तिमान यहोवा बहुत क्रारोधित हुआ।

13

וַיְהִ֥י	כַּאֲשֶׁר־	קָרָ֖א	וְלֹ֣א	שָׁמֵ֑עוּ	כֵּ֚ן	יִקְרְא֙וּ	וְלֹ֣א	אֶשְׁמָ֔ע	אָמַ֖ר	יְהוָ֥ה
और-हुआ	जैसा-	उसने-पुकारा	और-नहीं	उन्होंने-सुना	वैसे	वे-पुकारेंगे	और-नहीं	मैं-सुनूँगा	कहा	यहोवा
H1961		H7121	H3808	H8085		H7121	H3808	H8085	H0559	H3068

צְבָאֽוֹת׃
सेनाओं-के

अत: सर्वशक्तिमान यहावा ने कहा, “मैं ने उन्हें पुकारा और उन्होंने उत्तर नहीं दिया। इसलिये अब यदि वे मुझे पुकारेंगे, तो मैं उत्तर नहीं दूँगा।

14

וְאֵסָעֲרֵ֞ם	עַ֤ל	כָּל־	הַגּוֹיִם֙	אֲשֶׁ֣ר	לֹא־	יְדָע֔וּם	וְהָאָ֣רֶץ֙	נָשַׁ֣מָּה	אַחֲרֵיהֶ֔ם
और-मैंने-बिखेरा	पर	सब-	जातियों	जिनको	नहीं-	वे-जानते-थे	और-देश	उजड़-हो-गई	पीछे-उनके
H5590		H3605			H3808	H3045	H0776	H8047	

מֵעֹבֵ֣ר	וּמִשָּׁ֑ב	וַיָּשִׂ֙ימוּ֙	אֶֽרֶץ־	חֶמְדָּ֖ה	לְשַׁמָּֽה׃	פ
से-गुज़रनेवाले	और-से-लौटनेवाले	और-उन्होंने-बना-दिया	देश-	मनोहर	के-लिए-वीरानी	।
	H7725		H0776		H8047	

मैं अन्य राष्ट्रों को तुफान की तरह उनके विरूद्ध लाऊँगा। वे उन्हें नहीं जानते, किन्तु जब वे देश से गुजरेंगे, तो उजङ जाएगा।”